राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा पर्यावरण में वन्यजीव प्रबंधन का महत्व दिनांक 09/03/2026

दिनांक **09/03/2026** को माता गुजरी महाविद्यालय, जबलपुर के स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला "Balancing Nature: Integrating Conservation and Wildlife Management" में राज्य वन अनुसन्धान संस्थान ने वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में वन्यजीव प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा, संचालक उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण तथा वन्यजीव प्रबंधन के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा वन्यजीव संरक्षण के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार के द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से संस्थान में संचालित विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों तथा मध्यप्रदेश वन विभाग के सहयोग से संचालित परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वन्यजीवों का संरक्षण पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए वैज्ञानिक प्रबंधन एवं आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है उन्होंने भारत तथा मध्यप्रदेश में वन्यजीव प्रबंधन से संबंधित प्रमुख पहलों जैसे बाघ पुनर्स्थापन, बारहसिंगा पुनर्स्थापन, चीता पुनर्स्थापन, गौर पुनर्स्थापन तथा घड़ियाल संरक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। साथ ही कैमरा ट्रैप, रेडियो टेलीमेट्री तथा अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से वन्यजीवों की गतिविधियों के अध्ययन की प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया।

कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में नवीन वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। साथ ही विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में उन्हें इस क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान एवं अनुसंधान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। माता गुजरी महिला महाविद्यालय जबलपुर के प्राचार्या डॉ. संगीता झाम्ब, प्राणी शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सर्खेल एवं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. महिमा त्रिपाठी एवं अन्य उपस्थित रहे।

एक्सपर्ट्स ने बताया पर्यावरण में वन्यजीव प्रबंधन का महत्व

माता गुजरी कॉलेज में कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

पीपुल्स संवाददाता ● जबलपुर
editor@peoplessamachar.co.in

माता गुजरी महिला कॉलेज में स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा बैलेंसिंग नेचर इंटरोगेटिंग कंवर्सेशन एंड वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट विषय पर सोमवार को 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ कॉलेज के सेमिनार हॉल में दोपहर 12.30 बजे अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर (एसएफआरआई) के निदेशक प्रदीप वासुदेव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि पर्यावरण में वन्यजीव प्रबंधन का कितना महत्व है। मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित एसएफआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के बारे में तथा मध्य प्रदेश वन विभाग के अंतर्गत विभिन्न शाखाओं की अंतर्गत होने वाले गतिविधियों के बारे में विस्तृत रूप से अवगत करवाया। उन्होंने भारत तथा मध्य प्रदेश में वन्य जीव प्रबंधन जैसे की बाघ पुनर्स्थापन, बारहासिंघा पुनर्स्थापन, चीता पुनर्स्थापन, गौर पुनर्स्थापन, घड़ियाल संरक्षण को लेकर चल रहे अनुसंधान कार्य और कार्य को विस्तृत रूप से समझाया। साथ में कैमरा ट्रैप, रेडियो टेलिमेटरी आदि आधुनिक उपकरण के माध्यम से वन्यजीवों के ऊपर किस प्रकार के अनुश्रवण कैसे होता है की जानकारी दी। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मंच पर क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग डॉ. पंजाब राव चंदेलकर, प्राचार्य डॉ. संगीता झाम्ब, एसएफआरआई के वैज्ञानिक-बी डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार, वैज्ञानिक-बी, जबलपुर, प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सर्खेल मंचासीन रहीं। कार्यशाला संयोजक डॉ. सर्खेल ने बताया कि कार्यशाला का आयोजन कॉलेज के निदेशक डॉ. सुनील कुमार पाहवा, प्राचार्या डॉ. संगीता झांब तथा रजिस्ट्रार डॉ. सत्येन्द्र कुरारिया के निर्देशन में किया जा रहा है। 5 दिन अलग-अलग विशेषज्ञ छात्रो को अपना मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम में डॉ. महिमा त्रिपाठी, रजनी गुप्ता, ऋचा सिंह तथा प्रयोगशाला सहायक वर्षा गोयल, सरल पटेरिया का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के संचालन में प्रभात केवट एवं राफेल परास्ते ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।